RRB ALP & TECHNICIAN 2024 & झारखण्ड पुलिस भर्ती

Pilot Batch (CBT- 1&2)

हरियाणा बैच

सेवक बैच

HISTORY

ब्रिटिश शासन में शिक्षा का विकास

Part -2

LIVE 15-05-2024 09:00 AM

⇒ भारत में आधुनिक शिक्षा का जन्मदाता किसे माना जाता है → चार्ल्स ग्रांट

⇒ अंग्रेजी शिक्षा वाले स्कूलों का जाल बिछा देने की योजना सर्वप्रथम चार्ल्स ग्रांट को ग्रांट के मन में आई थी।

⇒ ब्रिटिश एशियाई प्रजा की सामाजिक स्थिति नामक पुस्तक का लेखक :- चार्ल्स ग्रांट

⇒ हण्टर शिक्षा आयोग :- 1882-1883 :- प्रथम भारतीय शिक्षा आयोग था

⇒ अध्यक्ष :- W.W. Hunter

⇒ सदस्य संख्या :- अध्यक्ष के अलावा २० सदस्य थे जिनमें से ४ भारतीय सदस्य थे

⇒ गवर्नर जनरल :- लॉर्ड रिपन

⇒ हण्टर कमीशन की रिपोर्ट में प्राथमिक शिक्षा के विकास पर जोर दिया गया था।

→ मातृभाषा पर जोर

⇒ हण्टर कमीशन के बाद भारत में 1882 में पंजाब विश्वविद्यालय तथा 1887 को प्रयागराज विश्वविद्यालय की स्थापना हुई.

⇒ रैले कमीशन 1902 :- विश्वविद्यालय

⇒ 1902 ई० में सर टॉमस रैले की मध्यक्षता में विश्वविद्यालय आयोग की स्थापना कीगई

भारतीय सदस्य :- सैयद हुसैन विलग्रामी, जस्टिस गुरुदास बनर्जी

⇒ उद्देश्य :- विश्वविद्यालयो की स्थिति की समीक्षा करना तथा उनके संविधान तथा कार्यशैली में सुझाव देना।

⇒ प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा को इस आयोग की परिधि से दूर रखा गया है।

⇒ भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम कब पारित किया गया → (1904)

⇒ कृषि विभाग तथा पुरातत्व विभाग की स्थापना लॉर्ड कर्जन के शासनकाल में हुई थी।

⇒ अंग्रेजी सरकार से निःशुल्क प्राथमिक शिक्षा की मांग सर्वप्रथम गोपाल कृष्ण गोखले ने की थी

⇒ सैंडलर आयोग :- 1917 ई०

⇒ सैंडलर आयोग के सदस्यों में दो भारतीय सदस्य :- सर आशुतोष मुखर्जी व डा० जियाउद्दीन अहमद

⇒ सैंडलर आयोग का विचार था मगर विश्वविद्यालय की शिक्षा में सुधार करना है तो माध्यमिक शिक्षा का सुधार आवश्यक है।

⇒ सिफारिश :-

⇒ 12 वर्ष की स्कूल शिक्षा व इण्टरमीडिएट परीक्षा के बाद विश्वविद्यालय में प्रवेश हो।

⇒ विश्वविद्यालय से प्रथक इण्टरमीडिएट कॉलेज हों तथा इनकी परीक्षाओं के संचालन के लिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का गठन हो।

⇒ स्नातक पाठ्यक्रम 3 वर्ष का हो।

⇒ महिला शिक्षा के लिए महिला शिक्षा प्रसार बोर्ड की गठन की माँग सर्वप्रथम सैडलर आयोग ने की थी

⇒ हार्टोग समिति :- 1929 ई०

⇒ प्राथमिक शिक्षा पर बल तथा इसे अनिवार्य करने की निंदा की गयी थी।

⇒ ग्रामीण छात्रों को मिडिल स्कूल तक की शिक्षा देने के बाद कॉलेज में प्रवेश के स्थान पर उन्हें व्यावसायिक एवं औद्योगिक शिक्षा प्रदान की जाए।

⇒ **मौलिक शिक्षा की वर्धा योजना :- 1937**

⇒ शिक्षा की वर्धा योजना का ब्यौरा किसने प्रस्तुत किया :- डा॰ जाकिर हुसैन समिति ने